शालोम, प्रिय भाइयों और बहनों!

आज हम बाइबल के एक बहुत महत्वपूर्ण सत्य पर विचार करेंगे—निर्णय दिवस पर क्या होगा। यह केवल यीशु मसीह, हमारे धर्मी न्यायाधीश, तक सीमित नहीं है; बल्कि संत भी इसमें भाग लेंगे और न्याय के कार्य में गवाह होंगे।

बाइबल हमें बार-बार याद दिलाने का आदेश देती है, ताकि हम जो सच जानते हैं, उसे भूल न जाएँ और शैतान उसे हमारे से न छीन सके:

“इस कारण मैं तुम्हें इन बातों की स्मरणशक्ति से हमेशा
चूकने वाला नहीं हूँ… जब तक मैं इस तम्बू में हूँ, मुझे
लगता है कि यह उचित है कि मैं तुम्हें स्मरण दिलाकर प्रोत्साहित करूँ।”
— 2 पतरस 1:12–13

“पर मैं तुम्हें याद दिलाना चाहता हूँ, भले ही तुम पहले से जानते थे…”
— यूदा 1:5

आइए हम देखें कि बाइबल के अनुसार यह दुनिया कैसे न्याय का सामना करेगी—और आज के विश्वासियों का जीवन कैसे उस न्याय में गवाह बनने की तैयारी कर रहा है।

1. संत संसार के लिए सुरक्षा हैं

ईश्वर की दया अक्सर दुष्टों पर इसलिए बनी रहती है क्योंकि उनके बीच धर्मियों की उपस्थिति होती है, न कि उनके अपने अच्छे कर्मों के कारण।

“यदि मैं स sodom में पचास धर्मी पाऊँ, तो मैं उनकी खातिर उस
जगह को बचा दूँगा।”
— उत्पत्ति 18:26

यह हमें एक महत्वपूर्ण सत्य बताता है: केवल कुछ धर्मी लोग भी पूरी पीढ़ी को विनाश से बचा सकते हैं। जैसे परमेश्वर ने स sodom को नष्ट करने से पहले लूत को बचाया (उत्पत्ति 19:15–22), वैसे ही वे अपने संतों को अंतिम क्रोध से पहले हटा देंगे:

“क्योंकि परमेश्वर ने हमें क्रोध के लिए नहीं, बल्कि हमारे

प्रभु यीशु मसीह के द्वारा उद्धार पाने के लिए बुलाया है।” — 1 थिस्सलोनिकी 5:9

धर्मशास्त्र में इसे रैप्चर कहा जाता है, यानी महा विपत्ति (Great Tribulation) से पहले चर्च का ऊपर उठना (1 थिस्सलोनिकी 4:16–17)।

2. संत दुनिया का न्याय करेंगे

बहुत कम लोग यह समझ पाते हैं कि वे संत, जो आज प्रार्थना और आज्ञाकारिता से दुनिया को बनाए रखते हैं, भविष्य में उसी दुनिया का न्याय करने में भी भाग लेंगे।

“क्या तुम नहीं जानते कि संत संसार का न्याय करेंगे?”
— 1 कुरिन्थियों 6:2

यह मतलब नहीं कि संत मसीह की जगह न्यायाधीश बनेंगे (जॉन 5:22 देखें), बल्कि वे गवाह और सहभागी के रूप में न्याय में शामिल होंगे। उनका जीवन परमेश्वर की न्यायप्रियता और निष्पक्षता का प्रमाण बनेगा।

3. न्याय का उदाहरण

कल्पना करें कि एक शिक्षक के पास दस छात्र हैं। एक साल की पढ़ाई के बाद वह परीक्षा देता है। दो छात्र पास होते हैं, आठ असफल। असफल छात्र शिकायत करते हैं:

“परीक्षा अनुचित थी!”
“परिसर अच्छा नहीं था!”
“खाना ध्यान भटकाने वाला था!”

शिक्षक पास हुए छात्रों में से एक से पूछता है:

“क्या तुम्हें वही खाना, कक्षा और संसाधन मिले?”
— “हाँ।”
“क्या तुमने शिकायत की या हार मान ली?”
— “नहीं। मैंने धैर्य रखा और ध्यान केंद्रित किया।”

फिर शिक्षक बाकी छात्रों से कहता है:

“आप सबको समान अवसर मिला। आप इसलिए असफल हुए क्योंकि आपने

जिम्मेदारी नहीं ली।”

यही न्याय मसीह के न्याय सिंहासन पर भी होगा:

“और मैंने मृतकों को देखा, छोटे-बड़े, जो परमेश्वर के सामने खड़े थे, और पुस्तकें खोली गईं… और मृतकों का न्याय उनके कर्मों के अनुसार हुआ।”
— प्रकाशितवाक्य 20:12

4. बहाने काम नहीं आएंगे

लोग उस दिन बहाने देंगे—लेकिन परमेश्वर अपने गवाह (धर्मी लोगों) को सामने लाएंगे, जिनका जीवन उन बहानों को अस्वीकार करता है।

बहाना: “यौन पाप बहुत प्रलोभनकारी था!”

परमेश्वर यूसुफ को याद करेंगे, जिन्होंने दबाव के बावजूद व्यभिचार से बचा (उत्पत्ति 39:7–12)।

“फिर मैं यह बड़ा पाप कैसे कर सकता हूँ, और परमेश्वर के विरुद्ध पाप करूँ?” — उत्पत्ति 39:9

बहाना: “मैं बहुत सुंदर था; सबने मुझे प्रलोभित किया!”

परमेश्वर सारा और अन्य धर्मी स्त्रियों को याद करेंगे, जिन्होंने सुंदरता के बावजूद पवित्रता में जीवन जिया।

“इस प्रकार पहले समय में भी परमेश्वर में विश्वास करने वाली धर्मी स्त्रियों ने अपने आप को सजाया… जैसे सारा ने
अब्राहम की आज्ञा मानी।”
— 1 पतरस 3:5–6

बहाना: “मुझे अपना धर्म छोड़ने का डर था!”

निनवेह के लोग जोना की प्रचार पर तुरंत पश्चाताप कर गए, और यीशु ने कहा:

“निनवेह के लोग न्याय में उठेंगे… और इसे निंदा करेंगे, क्योंकि उन्होंने जोना की प्रचार पर पश्चाताप किया।”
— मत्ती 12:41

बहाना: “मैं बहुत व्यस्त था या महत्वपूर्ण था!”

दक्षिण की रानी शबावनी दूर से आईं ताकि सुलैमान की बुद्धि
सुन सकें।

“दक्षिण की रानी उठेगी… और इसे निंदा करेगी, क्योंकि वह आई थी… सुलैमान की बुद्धि सुनने के लिए।”
— मत्ती 12:42

5. धर्मी जीवन साक्ष्य होगा

आज आप जो धर्मी जीवन देखते हैं, वही कल न्याय में प्रमाण बनेगा

यदि आपने उनका अनुसरण नहीं किया।

यदि कोई सांसारिक फैशन की जगह संयम चुनता है, तो आप यह नहीं कह पाएंगे कि यह असंभव था।
यदि कोई कठिनाई के बावजूद परमेश्वर को समर्पित रहता है, तो आप यह नहीं कह पाएंगे कि जीवन बहुत कठिन था।
यदि कोई पाप या संस्कृति छोड़कर मसीह का अनुसरण करता है, तो आप यह नहीं कह पाएंगे कि यह बहुत महंगा था।

“क्योंकि हमें सबको मसीह के न्याय सिंहासन के सामने प्रकट
होना है…”
— 2 कुरिन्थियों 5:10

6. अनुग्रह का द्वार अभी खुला है

अभी भी यीशु उद्धार मुफ्त में प्रदान कर रहे हैं। लेकिन जल्द ही यह अवसर समाप्त होगा।

“देखो, अब स्वीकार्य समय है; देखो, अब उद्धार का दिन है।”
— 2 कुरिन्थियों 6:2

जब संत रैप्चर होंगे, पृथ्वी महा विपत्ति में प्रवेश करेगी, जो बड़े कष्ट और न्याय का समय होगा (मत्ती 24:21–22)। यदि आप आधा- अधूरा या सांसारिक बने रहते हैं, तो आप पीछे रह सकते हैं।

7. आपको क्या करना चाहिए?

सुसमाचार का संदेश सरल है:

1. अपने पापों से पश्चाताप करें और पूरी तरह परमेश्वर की ओर लौटें।
2. यीशु मसीह को अपने प्रभु और उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार करें।
3. यीशु के नाम पर जल में डुबोकर बपतिस्मा लें।

“पश्चाताप करो, और प्रत्येक व्यक्ति यीशु मसीह के नाम पर पापों के क्षमा के लिए बपतिस्मा लें…”
— प्रेरितों के काम 2:38

यह उद्धार के वाचा में प्रवेश पाने का एकमात्र तरीका है।

अंतिम विचार

दूसरों के धर्मी जीवन को अपने खिलाफ साक्ष्य बनने मत दीजिए।

बल्कि, उन्हें प्रेरणा मानिए और सच्चाई में चलिए। यदि आपने अभी तक अपना जीवन मसीह को समर्पित नहीं किया है, तो अभी कर दीजिए।

निर्णय दिवस कोई कल्पना नहीं है—यह भविष्य की वास्तविकता है। आपका जीवन अनुग्रह का गवाह होगा या विद्रोह का प्रमाण?

“और जो भी जीवन पुस्तक में नहीं पाया गया, उसे आग की झील में फेंक दिया गया।”
— प्रकाशितवाक्य 20:15

ईश्वर आपको आशीर्वाद दें और उनके लिए जीवित रहने का साहस दें।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp